



## शिक्षक लेल

सङ्गीतमे सहानुभूति उत्पन्न करबाक, सहयोगकेँ बढ़ावा देबाक आ आत्म-अभिव्यक्तिकेँ सुविधाजनक बनयबाक उल्लेखनीय क्षमता छैक। एहि पोथीक उद्देश्य छात्रसभकेँ सङ्गीतक सराहना करबाक लेल आ बुनियादी कौशल सीखबाक लेल प्रेरित करब अछि। पुस्तकसँ विशिष्ट गीत आ गतिविधिक परिचय देब रोचक होयत जे हमर छात्रसभकेँ विशेष रूपसँ प्रारम्भिक चरणमे, केवल विशिष्ट परिणाम पर ध्यान केन्द्रित करबाक बदला उत्साहपूर्वक भाग लेबाक लेल आ प्रक्रियाक आनन्द लेबाक लेल प्रोत्साहित करत।

1. घरमे अभ्यास कयलासँ गायन, वाद्ययन्त्र बजाब, सुनब, सृजन आदि कौशलक निर्माण करबामे सहायता भेटैत अछि। ई छात्रसभकेँ अनायास एना करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।
2. एक्सपोजरक लेल छात्रसभकेँ लाइव सङ्गीत प्रस्तुतिमे लऽ जाए पर विचार करू।
3. अपन विद्यालय मे कोनो सङ्गीतकार के आमन्त्रित करू। बच्चासभकेँ प्रश्न पूछबाक लेल आ कलाकारसँ बातचीत करबाक लेल प्रोत्साहित करू।
4. शिक्षार्थी सभकेँ एहन गीत गायब नीक लगैत अछि जे ओ घरमे, धार्मिक आ सांस्कृतिक उत्सवक क्रममे सुनैत छथि। बच्चासभकेँ कक्षामे ओ गीत गयबाक लेल प्रोत्साहित करू जे ओ घरमे सीखलनि।
5. अलग-अलग अनुभव करबाक कतेको अवसर अछि रोजमर्रा के जीवन मे सङ्गीतक शैली। कक्षाक बीचमे, विद्यालयक घण्टी बजयबाक बदला एकटा राग बजाब पर विचार करू जे छात्रसभक ध्यान आकर्षित करत।
6. एहि खण्डमे बहुत रास गतिविधि देल गेल अछि। भिन्नताक लेल अहाँ एहि गतिविधिसभकेँ जोड़ि सकैत छी।
7. पुस्तकक अधिकांश गीत आ गतिविधिमे एकटा ऑडियो या वीडियो संसाधन सम्मिलित अछि जकरा पाठ्यपुस्तकमे देल गेल क्यूआर कोडकेँ

स्कैन कऽ पहुँचल जा सकैत अछि।

एहि सङ्गीत पाठ्यक्रमक इच्छा अछि जे अहाँ आ छात्रसभ सङ्गीत बनयबाक यात्राक भरपूर आनन्द लेब। हमर उद्देश्य हुनका सभमे सङ्गीतक प्रति आजीवन प्रेम उत्पन्न करब अछि, जाहिसँ एकटा गहीर प्रशंसाकेँ बढ़ावा देल जाय जे कक्षासँ आगू बढ़त।

## कक्षाक लेल संसाधन

1. कक्षा एकटा एहन स्थान होबाक चाही जतय सङ्गीत सीखब मजेदार आ आरामदायक हो। छात्र आ शिक्षक दुनूकेँ आराम सँ बैसि कऽ एक सङ्ग गाबय मे सक्षम हेबाक चाही। सङ्गीत कक्षाक लेल फर्श पर बैसल सबसँ नीक व्यवस्था अछि। ई बच्चासभकेँ नीक मुद्रा आ उचित साँसक विषयमे जानबामे सहायता करैत अछि, जेना व्यायाम कएल जाइत अछि। योग, शिक्षक गीतक विषयक आधार पर अलग-अलग शैली आ डिजाइनमे बैसबाक व्यवस्था सेहो बदलि सकैत छथि। ई कक्षाकेँ बेसी रोचक आ रचनात्मक बनबैत अछि, आ छात्रसभकेँ रचना कौशलकेँ बढ़ावा देबामे सहायता करैत अछि।
2. इण्टरनेट कनेक्शनक सङ्ग कम्प्यूटर, एप डाउनलोड करबाक प्रावधान तानपुरा आ ऑडियो संसाधन बजाबए क 'लेल स्पीकर।
3. कक्षामे सरल उपकरण बनेबाक लेल सामग्रीक व्यवस्था।
4. विद्यालयमे प्रदर्शनक लेल माइक्रोफोन आ ध्वनि प्रणालीक प्रावधान।
5. सरल वाद्ययन्त्र जेना हार्मोनियमक व्यवस्था, ढोलक, मञ्जीरा, शेकर्सा, टैम्बोरिन, माउथ ऑर्गन, इलेक्ट्रॉनिक तानपुरा आ बोर्ड।
6. भारतक मानचित्र छात्रसभकेँ ओहि राज्यक स्थान देखाबय लेल उपयोगी होएत जतय सँ विभिन्न भाषामे अलग-अलग रचनाक उत्पत्ति होइत अछि आ नियमित रूपसँ एकर अभ्यास कएल जाइत अछि।



### शिक्षक सभक लेल निर्देश

एतय देल गेल मलयालम गीत छालसभकेँ ई बुझयबाक लेल एकटा उदाहरण अछि जे सङ्गीत राग आ लयक माध्यमसँ भावनाकेँ व्यक्त कऽ सकैत अछि, भले गीत एहन भाषामे हो जे छाल नहि बुझि सकैत छथि। एहि बिन्दुकेँ स्पष्ट करबाक लेल आहाँ एहन भाषामे गीत बजा सकैत छी जे छाल लोकनिक लेल अपरिचित हो।

## अध्याय -6

# सङ्गीत अहाँक संवेदना

उद्देश्य: सङ्गीतक टुकड़ाकेँ सुनब जाहिसँ ई बुझल जा सकए जे ओ मनोदशा आ भावनाकेँ कोना प्रभावित करैत अछि, आ सङ्गीत तत्वक माध्यमसँ अपन विचार आ भावनाकेँ व्यक्त करब सीखब।

## गतिविधि 1: एहि गीतकेँ सुनु

भाषा: मलयालम

कुट्टनन्दन पुञ्जयीले

कोचू पेन्ने कुइलाले

कोट्टू वेनम कुज्जल वेनम, कुरवा वेनम



0680CH06

कुट्टनन्दन पुञ्जयीले, थिथइ थाका थेइ थेइ थोम कोचुपेन्ने

कुइलाले, थीथी थारा थेइ थोम

कोट्टू वेनम कुज्जल वेनम, कुरवा वेनम

(ओ ... थीथीथारा थिथिथइ थिथइ थाका थइ थोम) ×

4

वरावेल कनारू वेनम कोड़ी

थोरानङ्गल वेनम

विजयश्री लाली थरइ वररू न्जङ्गल

(ओ ... थीथीथारा थिथिथइ थिथइ थाका थइ थोम) ×

4

करूथा चिराकू वाचू थिथइ थाका

थइ थइ थोम

अरयन्ना किलिपोले थिथिथारा थेइ थोम

करूथा चिराकू वेचोर अरयन्ना किलीपोल

कुथिचु कुथिचु पायुम कुथिरा पोल

(ओ ... थीथीथारा थिथिथइ थिथइ थाका थइ थइ थोम)

× 4



- जे गीत बजाओल गेल छल ओहिसेँ आहाँ कोन भावनाकेँ जोड़ैत छी?
- की आहाँ के कोनो एहन गीत मोन अछि जे प्रिय स्मृति के ताजा करैत अछि?
- गीत गाउ। भले आहाँ के शब्द मोन नहि होइ की आहाँ राग गुनगुना सकैत छी?

## गतिविधि 2 : सङ्गीत आ हमरा लोकनिक याददास्त

सङ्गीतमे हमर विचार आ भावनाकेँ प्रभावित करबाक शक्ति होइत छैक।

सङ्गीत सुनब आ बनाबय सँ हमरा सभ के खुशी भेटि सकैत अछि।

एकटा गीत पछिला घटना आ ओहिमे शामिल लोकक स्मृतिकेँ सक्रीय कऽ सकैत अछि। एकरा सङ्गीत विकसित स्मृतिक रूपमे जानल जाइत अछि।

### ट्रैक गाबू

विज्ञापनक सङ्ग बजाओल जायवला विभिन्न तरहक सङ्गीत सुनू आ एहि पोथीमे वा अपन कम्प्यूटर पर प्लेलिस्ट बनाउ।

अपन माता-पिता आ दादा-दादीसँ हुनकर बचपनक प्रिय गीतक विषयमे पूछू। ओ एहि गीतसभकेँ कोन स्मृतिसेँ जोड़ैत छथि?

कोनो जिङ्गल या गीत निम्नलिखित बक्सामे लिखू जे अहाँ याद क सकैत छी।

एकटा पावनि गीत ...

---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---

### गतिविधि 3: सुनु आ महसूस करू

भोर सँ साँझ धरि हम सभ विभिन्न तरहक सङ्गीतसँ घेरायल रहैत छी। जखन आहाँ विभिन्न तरहक सङ्गीतक ध्वनि सुनैत छी तखन अपन भावना पर विचार करू। शहनाई, नादस्वरम, ढोल, डमरू, एदैक्का वा कोनो मधुर गीतक ध्वनि मोन पाडू — ई धुन सुनैत काल आहाँकेँ की लगैत अछि ? की ओ आहाँकेँ प्रसन्न करैत अछि, आहाँकेँ नृत्य करबाक लेल प्रेरित करैत अछि, शान्तिक भावना उत्पन्न करैत अछि जकर आनन्द आहाँ मौनमे लेबय चाहैत छी अथवा आहाँकेँ सङ्ग गयबाक लेल बाध्य करैत अछि ? ई मधुर ध्वनि सुनैत काल जे भावना जीवन्त भऽ जाइत अछि ओकरा भावना कहल जाइत अछि। भावना सभ मनुष्यमे निहित एकटा स्वाभाविक विशेषता थिक। किछु वाद्य सङ्गीत सुनि हम सभ एकर अनुभव करी! सङ्गीतक टुकड़ा सुनैत काल आहाँ के की अनुभव भेल? अपन भावना के लिखू।

1. \_\_\_\_\_
2. \_\_\_\_\_
3. \_\_\_\_\_



वायलिन

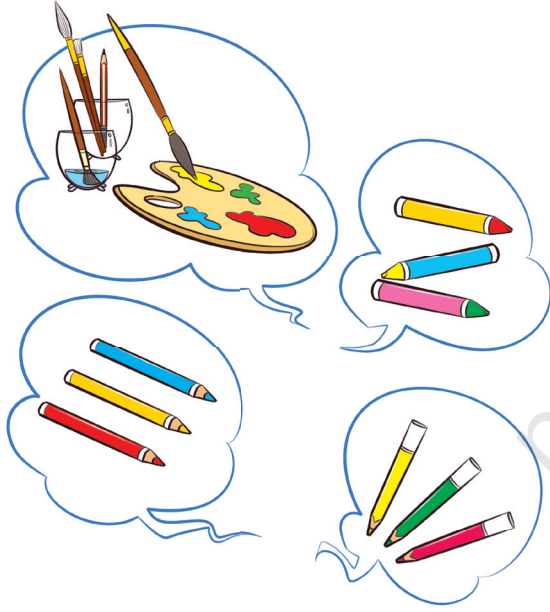
एतय सभटा सङ्गीतक टुकड़ा एके वाद्ययन्त्र, वायलिनक उपयोग करैत बजाओल जाइत छल।

जेना आहाँकेँ आवाज विभिन्न भावना आ गतिशीलता - खुशी, उदासी, जोर आ कोमलताकेँ व्यक्त कऽ सकैत अछि - एकटा उपकरणमे विभिन्न ध्वनिक माध्यमसँ विविध भावनाकेँ उत्पन्न करबाक क्षमता होइत छैक।

आहाँ वायलिन के आवाज सुनलहुँ। आब हमर देशमे लोकप्रिय रूपसँ बजाओल जायवला अन्य वाद्ययन्त्र सुनबाक प्रयास करू। बाँसुरी, सितार, शहनाई, तबला आदि जकाँ आ ई बुझबाक प्रयास करू जे कोना अलग-अलग ध्वनि आ धुन विविध भावनाकेँ जन्म दैत अछि।

## गतविधि 4: सङ्गीतक रेखा चित्र

सङ्गीतक प्रत्येक टुकड़ा एकटा खिस्सा कहैत अछि जकर चर्चा हम एखन धरि करैत आबि रहल छी । आब, हमसब एकरा कोशिश करू । सङ्गीतक एकटा टुकड़ा सुनू आ अपन कलाक माध्यमसँ ओकर प्रतिनिधित्व करू । रङ्ग पेन्सिल, कलम वा रङ्गक उपयोगसँ आहाँ खीञ्चि सकैत छी आ रङ्ग कऽ सकैत छी । अपन आरेखणकेँ एकटा नाम अथवा शीर्षक दिअ ।





क्लैप



स्टॉम्प



टैप



क्लिक



हम्म



विसिल

### शिक्षक सभकेँ निर्देश

कक्षाकेँ समूहमे बाँटल जा सकैत अछि आ प्रत्येक समूहकेँ कोनो पाठ्यचर्या क्षेत्रसँ विषय वा विषय देल जा सकैत अछि। समूहकेँ ताल आ रागक माध्यमसँ सङ्गीतात्मक रूपसँ अपन विचार व्यक्त करय पड़ैत अछि। ओ गतिविधि 6क अन्तर्गत अगिला पृष्ठमे व्याख्या कएल गेल पिच आ गतिशीलता भिन्नताक अवधारणाक उपयोग सेहो कऽ सकैत छथि। सुझाव देल गेल कथनक प्रयोग करू अथवा शिक्षार्थी अपन परिदृश्य बना सकैत छथि।

## गतिविधि 5: सङ्गीतक माध्यम सँ अपन भावनाक अभिव्यक्ति।

की आहाँ बिना शब्दक सङ्गीतक माध्यमसँ कोनो भावनाकेँ व्यक्त करबाक लेल अपन शरीरक उपयोग कऽ सकैत छी? जखन आहाँ क्रोधित होइत छी, तखन आहाँ की करैत छी? जखन आहाँ खुश होइत छी, तखन आहाँ की करैत छी? जखन आहाँ दुखी होइत छी, तखन आहाँ की करैत छी? एहि भावनासभकेँ व्यक्त करबाक लेल आहाँ अपन आवाज अथवा शरीरक ताल (थोपड़ी, थपथपा, स्लैप, साँस)के उपयोग कऽ सकैत छी।

### दृश्य 1

'हम अपन विद्यालयक आगामी क्षेत्र यात्राक लेल उत्साहसँ बुदबुदाइत छी! अपन कोठरीमे ठाढ़, बाहर चिड़ैसभक नरम चहचहाहटसँ घेरल, हम अपन अलमारीमे घुमैत छी। हम विभिन्न पोशाक पर प्रयास करैत छी जाबत धरि हमरा सही पोशाक नहि भेटैत अछि। "हँ! इ ओ अछि!" हम खुशी सँ उद्गार करैत छी, जङ्गली के अन्वेषण के लेल तैयार महसूस कए रहल छी।

### दृश्य 2

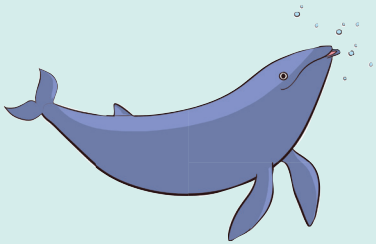
लम्बा बस यात्रा के बाद हम सब अपन गन्तव्य पर पहुँचलहुँ। जखन हम सफारी जीपमे चढ़बाक तैयारी करैत छी तखन मन्द हवा बहैत अछि, जाहिसँ पात फुसफुसाबैत आ नाचैत अछि। गाछ सुन्दर लहराइत अछि।

### दृश्य 3

जहिना-जहिना जङ्गल मे गहींर धरि उतरैत छी, असंख्य जीव-जन्तु आ पौधाक सामना करैत छी। कीड़ा-मकोड़ाक आवाज, चिड़ै-चुनमुनीक चहक आ जानवरक आवाज सँ गूँजैत जङ्गल जीवन सँ स्पन्दन करैत अछि।

## की अहाँ जनैत छी

जानवरो के हमरा सब जकाँ भावना होइत अछि। की आहाँ देखलहुँ जे बहुत रास चिड़ै आ जानवर एक दोसरसँ संवाद करबाक लेल ध्वनिक उपयोग करैत अछि? चिड़ै संवाद करबाक लेल चिरइयाक प्रयोग करैत अछि। भारतक राष्ट्रीय जलीय पशु गङ्गा नदीक डॉल्फिन आन्हर अछि, आ सन्देश साझा करबाक लेल क्लिक आ सीटीक मिश्रणक उपयोग करैत अछि। नर हम्पबैक व्हेल सेहो अपन लम्बा आ जटिल गीतक लेल प्रसिद्ध अछि। की आहाँ देखलहुँ जे जानवर ध्वनिक माध्यम सँ अपन भावना देखाबैत अछि? किछु उदाहरण साझा करू।



## विस्तारित क्रियाकलाप

जातक कथा आ पञ्चतन्त्रसँ कोनो क्षेत्रीय लोककथा वा कथा सुनाउ। कथनकेँ सङ्गीत तत्व वा गीतक सङ्ग अन्तराल करू जे कथाकेँ जीवन्त करबामे सहायता करत!

## गतिविधि 6: सङ्गीतक तत्व केर विषयमे सीखू

### पिच आ गति

की आहाँ कहियो देखलहुँ जे जखन आहाँ प्रसन्न, क्रोधित अथवा दुखी रहैत छी तखन आहाँ अलग-अलग पिच आ आवाजक उपयोग कोना करैत छी? स्वर आ गतिशीलताक उपयोग भावनाक सञ्चार करबाक लेल कएल जाइत अछि। पिच हमरासभकेँ कहैत अछि जे स्वर कतेक ऊँच वा नीचा अछि आ गतिशीलता हमरासभकेँ बतबैत अछि जे सङ्गीतक एकटा टुकड़ा कतेक जोरसँ वा नरम अछि।

### लय

लय सब जगह अछि। की आहाँ कहियो अपन हृदयक धड़कन सुनलहुँ? ध्यान दियौ जे आहाँक चलबाक लय आहाँक दादा-दादीसँ कोना भिन्न अछि? सङ्गीतमे ताल ओ पैटर्न अछि जाहिमे सममित ताल होइत अछि, जे कोनो गीतक सङ्ग बजाओल जाइत अछि।

## स्वरा गीत

वीडियो देखू आ 'स्वरा गीत' गाउ। ई गीत रागम शङ्कर भरणम वा राग बिलावल पर सेट कएल गेल अछि। गीत गबैत काल नाद स्थानमे भिन्नता पर ध्यान दियौक। लय के बनल रखबाक लेल अपन हाथक प्रयोग करू। दुनू वाद्ययन्त्रक स्वर अलग-अलग अछि। नक्काराक आवाज तेज



नक्कारा



घुमत

दुनू वाद्ययन्त्रक स्वर अलग-अलग अछि। नक्काराक आवाज तेज होइत अछि जखन कि घुमतक गहीर अनुनाद होइत अछि।

## आहाँकेँ बूझल अछि की

सात स्वरमे मात्र पाँचटा स्वरमे भिन्नता अछि। चूँकि, एस आ पी मे भिन्नता नहि होइत छैक, तँ एकरा अचल स्वर कहल जाइत छैक। शेष स्वर आर, जी, एम, डी, एन केँ चल स्वर कहल जाइत अछि, किएक तँ ओहिमे दू-दूटा भिन्नता होइत अछि।

## हिन्दुस्तानी आ कर्नाटकी सङ्गीतमे स्वरक उच्चारण।

	हिन्दुस्तानी	कर्नाटकी
S	सा	सा
R	रे	री
G	गा	गा
M	मा	मा
P	पा	पा
D	धा	दा
N	नी	नी

नोट लिखैत काल हम S, R, G, M, P, D, N के रूप मे लिखब।

## हिन्दुस्तानी आ कर्नाटकी सङ्गीतमे स्वरक उच्चारण।

कर्नाटकी आ हिन्दुस्तानी सङ्गीतमे गाओल जायवला सभटा स्वरक नाम जानल जाय। कुल 12 टा नोट अछि।

हिन्दुस्तानी सङ्गीत	कर्नाटकी सङ्गीत
सा — सदज	सा — षड्जम
रे — ऋषभ, कोमल ऋषभ, शुद्ध ऋषभ	री — ऋषभम शुद्ध ऋषभम, चतुश्रुति ऋषभम्
गा — गाङ्धार कमल गांधार, शुद्ध गांधार	गा — गङ्धरम् साधारण गांधरम, गांधारमक बीच
मा — मध्यम शुद्ध माध्यम, तीव्र मध्यम	मा — मीडियम शुद्ध माध्यम, प्रति मध्यम
पा — पञ्चम धा — धैवत कोमल धाइवत, शुद्ध धैवत	पा — पञ्चमम दा — दिव्यता शुद्ध दिव्यता अछि, चतुश्रुति दिव्यता
नी — निषाद कमल निषाद, शुद्ध निषाद	नी — निषाधाम कैसिकी निषाधाम, काकली निषाधाम

फिल्मी गीत, भजन, क्षेत्रीय गीत, लोक सङ्गीत, मधुर वाद्य सङ्गीत सब सङ्गीत स्वरक सङ्ग बनाओल जाइत अछि - एस, आर, जी, एम, पी, डी, एन। एहि स्वरक सङ्ग सभ रचना वा गीत बनाओल जाइत अछि।

भारतीय सङ्गीतक शास्त्रीय सङ्गीत जेना हिन्दुस्तानी आ कर्नाटकी सहित अनेक विधाक सङ्ग-सङ्ग लोक, अर्ध शास्त्रीय, भक्तिपूर्ण, देशभक्ति आ चलचित्र सङ्गीत सन विधा अछि।

## आहाँके बूझल अछि की

श्रीमती एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी सर्वकालिक सबसँ प्रसिद्ध आ प्रेरणादायक कर्नाटक गायिकामेसँ एक छथि। ओ भारत सरकारसँ भारत रत्न प्राप्त करयवला पहिल सङ्गीतकार छलीह। कर्नाटक सङ्गीतक अतिरिक्त, ओ बहुत रास भजन आ संस्कृत श्लोक सेहो गयने छलीह। ओहिमे 'हरि तुम हरो' आ 'वैष्णव जनतो' गाँधीजीक प्रिय भजन छल। ओ अपन मौलिकता, सरलता आ सङ्गीतक शुद्धताक लेल जानल जाइत छथि। ओ अपन जादुई स्वरसँ गबैत छलीह जे भक्तिसँ भरल छल।



## गतिविधि - 7: ध्वन्यात्मक पूर्वक तैयारी

### स्वर अभ्यास

नीचाँ देल गेल नोटक प्रतिरूपकेँ अलङ्कार वा सरगमक नामसँ जानल जाइत अछि।

अलंकारक अर्थ अछि अलङ्करण वा सजावट। जेना गहनाकेँ सोना आ कीमती पत्थरक अलग-अलग व्यवस्थासँ डिजाइन कएल जाइत अछि, तहिना सङ्गीतक सातटा स्वरकेँ पैटर्नमे व्यवस्थित कयल जाइत अछि जाहिसँ एकटा राग बनाओल जा सकए जे मनभावन आ सौन्दर्यपूर्ण हो। सभटा सङ्गीत कानकेँ प्रसन्न करएवला होयबाक चाही, अर्थात श्रुति मधुर।

1. SR RG GM MP PD DN NŚ  
ŚN ND DP PM MG GR RS
2. SRG RGM GMP MPD PDN DNŚ  
ŚND NDP DPM PMG MGR GRS
3. SRGM RGMP GMPD MPDN PDNŚ  
ŚNDP NDPM DPMG PMGR MGRS

4. SR  
SRG  
SRGM  
SRGMP  
SRGMPD  
SRGMPDN  
SRGMPDNŚ

- ŚN  
ŚND  
ŚNDP  
ŚNDPM  
ŚNDPMG  
ŚNDPMGR  
ŚNDPMGRS

5. SG RM GP MD PN DS  
SD NP DM PG MR GS

6. SM RP GD MN PS  
SP NM DG PR MS

## आहाँके बूझल अछि की?

भारत रत्न पुरस्कार विजेता लता मङ्गेशकर भारतीय सिनेमाक दुनियामे भारतक सबसँ पैघ पार्श्व गायिकामेसँ एक छलीह। ओ 36 सँ बेसी भारतीय भाषामे आ किछु विदेशी भाषामे सेहो गीत रिकॉर्ड कयने छथि। हुनकर मधुर स्वर तीन सप्तकसँ बेसी पसरल छल। ओ देशभक्तिक गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों' गओलनि आ एकरा 1962क युद्धमे जान गमा बय बला भारतीय सैनिकसभकेँ समर्पित कएलनि।



## गतिविधि- 8: राग

मेडले एकटा मिश्रण छैक, अथवा अलग-अलग गीत अथवा धुनक सम्योजन छैक जे सङ्गीतक एकटा टुकड़ाक रूपमे एक सङ्ग बजाओल जाइत छैक। आउ सब मजा करू।

1. प्रत्येक गीत जे मनोदशा व्यक्त करबाक प्रयास करैत अछि ओकरा चिन्हू। भले आहाँ भाषा नहि जनैत छी, की सङ्गीतक तत्व कोनो निश्चित भावनाकेँ व्यक्त करबामे सहायता करैत अछि?
2. एहि सभमे सँ प्रत्येक टुकड़ामे ताल की व्यक्त करैत अछि?
3. प्रत्येक गीतमे सङ्गीत तत्वक पहिचान करू।



सङ्गीतक सङ्ग एकटा गीत गाओल जा सकैत अछि थाविल, पंगी, चिमटा, गिटार आदि के।

आउ मेडले गाएब सीखू

मेडले अथवा ओहिमे किछु गीत सीखू। वर्गकेँ समूहमे बाँटल जा सकैत अछि जाहिमे प्रत्येक समूह मेडलेक एकटा टुकड़ा प्रस्तुत करैत अछि। ई मेडले भारतक विभिन्न भागक उत्सव गीतक एकटा श्रृंखला अछि। ई मजेदार गीत गबैत काल चलि जाउ, डोलू आ लय राखू!



कराओकेक सङ्ग कोनो मेडले गाएब सीखू

## गतिविधि -1: आबह गतिकी, राग और लय पर खेल खेलाइ

ई खेल छात्रसभकेँ देल गेल उद्देश्यकेँ प्राप्त करबामे सहायता करबाक लेल बनाओल गेल अछि। शिक्षक सभकेँ अपन खेल सोचबाक आ डिजाइन करबाक लेल प्रोत्साहित कएल जाइत अछि जे स्थानीय सङ्गीत संस्कृतिकेँ प्रतिबिम्बित करैत अछि।

**क्रियाकलाप-1.:** आवाज (टोन, टेक्सचर, शैली) केँ चीन्हब

एकटा छात्रकेँ आँखि मुनि लेबाक चाही आ दोसर छात्र एहन गीत गाबि सकैत अछि जे कक्षामे जानल जाइत अछि वा पढ़ाओल जाइत अछि। आँखि मुनल छात्रकेँ ओहि छात्रक पहिचान करबामे सक्षम होयबाक चाही जे एकरा गओलक।



### शिक्षकसभकेँ निर्देश

प्रत्येक छात्रक स्वर, बनावट आ बजबाक आ गयबाक शैलीमे अन्तर होइत छैक। एहि गतिविधिकेँ कयलासँ वर्ग अपन साथीसभक आवाजक बनावट, शैली आ गतिशीलताकेँ बुझबामे आ पहिचान करबामे सक्षम होयत।

छात्रसभकेँ परिवार, वा समाजक कोनो व्यक्तिक आवाजमे विभिन्न आवाजक बनावट आ गतिशीलताक पहिचान सेहो करय दियौक। एहिसँ विभिन्न ध्वनि आ ओकर स्रोतक पहिचानक प्रति संवेदनशीलता विकसित होयत।

अलग-अलग वाद्ययन्त्र पर कोनो गीत बजाउ, आ ओकरा ध्वनि आ बनावट के आधार पर वाद्ययन्त्र के पहिचान करय लेल कहू।

### गतिविधि2: रागक आधार पर गीतक पहिचान।

कोनो छात्रकेँ कोनो एहन गीत गुनगुनाबय लेल चुनू जे कक्षामे जानल जाइत अछि वा पढ़ाओल जाइत अछि। धुन सुनलासँ कक्षाक अन्य बच्चासभकेँ गीतक पहिचान करबामे सक्षम होयबाक चाही।



### शिक्षकसभकेँ निर्देश

एहि तरहक गतिविधि खेल खेल विधिमे प्रस्तुत करैत रुचि आ आत्मविश्वासकेँ सक्रिय करैत अछि।

### गतिविधि 3 : लय खेल:

संख्यामे 3, 4, 5, 7, 9 के समूहमे छात्र अपन नाम नीचा जकाँ उच्चारण कऽ सकैत छथि।

तीनटा छात्रक समूहकेँ ता, की, ता नाम देल जायत आ समूहक नाम 'तिश्रा' होयबाक चाही।

चारि छात्रक समूहकेँ ध, गे, ना, ती नाम देल जायत आ समूहक नाम 'चतुरश्रा' होयबाक चाही।

पाँच छात्रक समूहकेँ ता, का, ता, की, ता नाम देल जायत आ समूहक नाम 'खण्डा' होयबाक चाही।

सात छात्रक समूहकेँ ति, ती, ना, धी, ना, धी, ना आ समूहक नाम 'मिश्र' देल जायत।



### शिक्षकसभकेँ निर्देश

- ई खेल छात्रसभमे लयक भावना (गति, चक्र, प्रतिरूप) केँ बढ़यबाक लेल अछि।
- शिक्षक अपन पैटर्न आ समूह बना सकैत छथि, आ छात्रक बीच कोनो तालक खेल खेल सकैत छथि।

अपन खेल बनाउ जाहिमे स्वर आ ताल,  
मुखर वार्म-अप, मेडले आ कोनो  
रचनाक तत्व होयबाक चाही।

नौ छात्रक समूहकेँ ता, का, दी, मी, ता, का, ता, की, ता नाम देल जायत आ समूहक नाम 'सङ्कीर्णा' होयबाक चाही।

